

Publication
Edition
Date
CCM

The Pioneer
New Delhi
07/08/2023
26.57

Language
Journalist
Page no

English
PTI
10

No sugar mill in Maharashtra should be without ethanol distillery, says Amit Shah

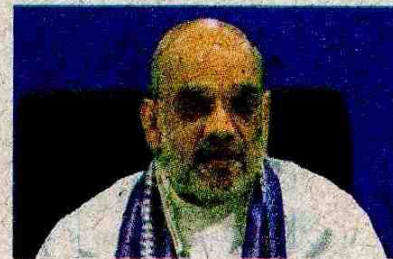
PTI ■ PUNE

Union Home and Cooperation Minister Amit Shah on Sunday said there should not be a single sugar mill in Maharashtra that is not producing ethanol.

He was speaking at an event after launching the digital portal of the Central Registrar of Cooperative Societies (CRCS) office in Pune.

"Huge funding is available under various schemes for cooperative societies which can be utilised for setting up distilleries. Sugar mills in the state should avail of the loan facility. There should not be a single sugar mill in Maharashtra that is not making ethanol. It is an emerging market and rates are also good for the same," Shah said.

On the digital portal of the CRCS office launched by him, the Union minister said, "The digital portal is aimed at increasing the efficiency and trans-



parency. The cooperative sector cannot move forward without modernisation, transparency and accountability."

Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar, who joined the Eknath Shinde-BJP government last month, was present on the occasion.

Shah said, "This is my first public programme with Ajit Pawar. I want to tell him that he is now sitting at the right place after a long time. This was always the right place for you, but you came to sit here very late."

State Chief Minister Eknath Shinde and Deputy CM Devendra Fadnavis were also present at the event.



Publication	Millennium Post	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	PTI
Date	07/08/2023	Page no	10
CCM	32.59		

No sugar mill in Maha should be without ethanol distillery: Shah

PUNE: Union Home and Cooperation Minister Amit Shah on Sunday said there should not be a single sugar mill in Maharashtra that is not producing ethanol.

He was speaking at a public event after launching the digital portal of the Central Registrar of Cooperative Societies (CRCS) office in Pune.

"Huge funding is available under various schemes for cooperative societies which can be utilised for setting up distilleries. Sugar mills in the state should avail of the loan facility. There should not be a single sugar mill in Maharashtra that is not making ethanol. It is an emerging market



Union Home and Cooperation Minister Amit Shah

and rates are also good for the same," Shah said.

On the digital portal of the CRCS office launched by him, the Union minister said, "The digital portal is aimed at increasing the efficiency and

transparency. The cooperative sector cannot move forward without modernisation, transparency and accountability."

Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar, who joined the Eknath Shinde-BJP government last month, was present on the occasion.

Shah said, "This is my first public programme with Ajit Pawar. I want to tell him that he is now sitting at the right place after a long time. This was always the right place for you, but you came to sit here very late."

State Chief Minister Eknath Shinde and Deputy CM Devendra Fadnavis were also present at the event. PTI

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	07/08/2023	Page no	10
CCM	61.84		

सहकारिता आंदोलन को पांच साल में गांव-गांव तक पहुंचाएंगे : शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने सीआरसीएस डिजिटल पोर्टल की शुरुआत की

पुणे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को व्यवहार्य बनाने का निर्णय किया है। इसके तहत अगले पांच साल में तीन लाख नए पीएसीएस बनाकर सहकारिता आंदोलन को हर गांव तक पहुंचाया जाएगा। पिछले 70 साल में 93,000 पीएसीएस बने और अगले पांच साल में तीन लाख नए पीएसीएस बनाए जाएंगे। शाह ने यह बातें यहां सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक (सीआरसीएस) कार्यालय के डिजिटल पोर्टल की शुरुआत करते हुए कहीं।

शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में एक भी चीनी मिल ऐसी नहीं होनी चाहिए जो इथेनॉल नहीं बना रही है। यह एक उभरता हुआ बाजार है और इसके लिए दरें भी अच्छी हैं। सहकारी समितियों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत भरपूर धन उपलब्ध है, जिसका उपयोग डिस्टिलरी स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। महाराष्ट्र की चीनी मिलों को ऋण सुविधा का लाभ उठाना चाहिए। महाराष्ट्र सहकारिता आंदोलन की ताकत की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि सहकारिता के संस्कार महाराष्ट्र से ही पूरे देश में फैले। उन्होंने कहा कि आज शुरू हुए पोर्टल का फायदा देश की 1,555 बहुराज्यीय सहकारी समितियों को मिलेगा, इनमें से 42 प्रतिशत समितियां केवल महाराष्ट्र में हैं, जो बताता है कि यहां सहकारिता आंदोलन कितना मजबूत है। उन्होंने कहा कि इसी पैटर्न पर राज्यों की सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के कार्यालयों का भी कम्प्यूटरीकरण करने जा रहे हैं, जिससे देशभर की 8 लाख सहकारी समितियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस



पुणे में कार्यक्रम को संबोधित करते शाह।

अजित से बोले-देर आए, दुरुस्त आए

शाह ने कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ मंच साझा किया और कहा कि देर आए लेकिन दुरुस्त आए। उन्होंने कहा, डिप्टी सीएम बनने के बाद अजित पवार पहली बार आए हैं। मैं उनके साथ मंच साझा कर रहा हूँ, मैं उन्हें बताना चाहता हूँ कि लंबे समय के बाद आप सही जगह पर बैठे हैं। उन्होंने कहा, यह सही जगह है लेकिन आपने आने में बहुत देर कर दी।

बनाने का 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है। हम एक नई सहकारिता नीति भी लेकर आ रहे हैं, हम सहकारिता विश्वविद्यालय भी बना रहे हैं जिसके माध्यम से सहकारिता और इसके सभी विस्तारित तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था भी इसके साथ जुड़ जाएगी। व्यूरो

पारदर्शिता से सहकारिता की स्वीकृति बढ़ेगी

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता आंदोलन आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। सहकारिता आंदोलन की स्वीकृति बढ़ाने के लिए पारदर्शिता बढ़ानी होगी और जवाबदेही तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पारदर्शी व्यवस्था ही देश के करोड़ों लोगों को जोड़ सकती है। उन्होंने कहा कि भारत ने अमूल, इफको व कृभको जैसी सहकारिता की अनेक सफल उदाहरण दुनिया के सामने रखे हैं, अब हमें इसे संजोकर सहकारिता के आंदोलन को नई गति देनी है।

■ गरीबों को उद्यम खोलने में मिलेगी मदद... शाह ने कहा कि देश के गरीब को उद्यम के लिए अगर पूंजी की कमी है, तो उसके लिए सहकारिता आंदोलन एक उत्तम रास्ता है, इसके माध्यम से छोटी पूंजी वाले अनेक लोग इकट्ठा होकर बड़ा उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

सहकारिता आंदोलन में आधुनिकता व जवाबदेही जरूरी : शाह

राज्य ब्यूरो, मुंबई: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पुणे में सेंट्रल रजिस्ट्रार आफ कोऑपरेटिव सोसायटीज (सीआरसीएस) कार्यालय के डिजिटल पोर्टल की शुरुआत करते हुए कहा कि सहकारिता आंदोलन में आधुनिकता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही जरूरी है। सहकारिता आंदोलन में महाराष्ट्र की भूमिका की सराहना करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश में पंजीकृत कुल सहकारी समितियों में 42 प्रतिशत महाराष्ट्र की हैं। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को किसानों एवं आमजन के लिए और उपयोगी बनाने के लिए इसे आधुनिक बनाना पड़ेगा। इसमें पारदर्शिता लानी होगी। साथ ही सहकारी संगठनों में जवाबदेही भी तय करनी होगी।

पुणे के पिंपरी-चिंचवड स्थित रामकृष्ण मोरे सभागार में आयोजित इस समारोह में सहकारिता क्षेत्र से जुड़े कई दिग्गज उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सहकारी समितियों के चुनावों में धांधली एवं भाई-भतीजावाद रोककर ही सहकारिता आंदोलन को आगे बढ़ाया जा सकता है। शाह ने देश में प्राथमिक कृषि

● सहकारी समितियों के चुनाव में भाई-भतीजावाद रोकने पर जोर

● देश में पैक्स की संख्या बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई



पुणे में रविवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को स्मृति चिह्न भेंट करते महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व अजीत पवार ● एनआइ

ऋण समितियों (पैक्स) की संख्या बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता जताई। कहा कि आजादी के बाद से अब तक देश में सिर्फ 93,000 पैक्स स्थापित हो सके थे। अब अगले पांच वर्ष में सरकार इनकी संख्या बढ़ाकर तीन लाख करने जा रही है। शाह ने कहा कि सहकारिता के जरिये तहसील स्तर पर अनाज भंडारण के गोदाम तैयार किए जाएंगे, ताकि उन्हीं गोदामों से अनाज गांवों की सस्ते

अनाज की दुकानों तक पहुंच जाएं। इससे अनाज के परिवहन का खर्च बचेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। शाह ने महाराष्ट्र की सहकारी चीनी मिलों को एथेनाल संयंत्र लगाने की भी सलाह दी।

अजीत पवार से बोले, आपने बहुत देर कर दी आते-आते: अमित शाह के साथ मंच पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री

देवेंद्र फडणवीस एवं अजीत पवार भी बैठे थे। अमित शाह जब बोलने के लिए खड़े हुए तो मुस्कराते हुए कहा कि आज मैं और अजीत दादा एक साथ मंच पर बैठे हैं। मैं अजीत पवार से कहना चाहता हूँ कि सही मंच पर आने में आपको काफी समय लग गया। आप पहली बार सही जगह पर बैठे हैं। इससे पहले अजीत पवार ने भी कहा कि अमित शाह का महाराष्ट्र से विशेष प्रेम है, क्योंकि वह महाराष्ट्र के जमाई हैं। उनकी ससुराल महाराष्ट्र में ही है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी जानकारी दी कि अमित शाह को भले ही गुजरात के मूल निवासी के रूप में जाना जाता हो, लेकिन उनका जन्म मुंबई का है। यही नहीं, राजनीति में आने से पहले उन्होंने अपना पहला कारखाना भी महाराष्ट्र में शुरू किया था। इसलिए महाराष्ट्र उनकी कर्मभूमि भी रही है। बता दें कि रविवार सुबह से ही राजनीतिक हलकों में एक चर्चा गर्म थी कि राकांपा (शरद पवार गुट) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने अमित शाह से मुलाकात की है। हालांकि, दोपहर बाद स्वयं पाटिल ने टीवी चैनलों से बात करते हुए इन अफवाहों का खंडन किया।



Publication	Jansatta	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	PTI
Date	07/08/2023	Page no	7
CCM	13.95		

महाराष्ट्र में एक भी चीनी मिल ऐसी न हो, जो इथेनाल का उत्पादन न करे : शाह

पुणे, 6 अगस्त (भाषा)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में एक भी चीनी मिल ऐसी न हो, जो इथेनाल का उत्पादन न करे।

पुणे में केंद्रीय सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) कार्यालय के डिजिटल मंच की शुरुआत करने के बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही।

शाह ने कहा, 'सहकारी समितियों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत भारी धनराशि उपलब्ध है, जिसका इस्तेमाल डिस्टिलरी स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। प्रदेश की चीनी मिलों को ऋण सुविधा का लाभ उठाना चाहिए।



Publication	Precious Kashmir	Language	English
Edition	Srinagar	Journalist	
Date	07/08/2023	Page no	1
CCM	N/A		

Cooperative movement can't progress without transparency: Amit Shah

Launches digital portal of Central Registrar of Cooperative Societies

Pune, Aug 6: Union Minister of Cooperation and Home Affairs, Amit Shah Sunday said that the cooperative movement cannot progress without transparency and the digital portal will serve that purpose.

He asserted that the digital portal would be useful in promoting cooperative-based economic progress, as well as strengthening the cooperative movement in the country.. Shah was speaking in Pune after



launching the digital portal of the Central Registrar of Cooperative Societies today. Praising Maharashtra's

contribution in the cooperative sector Mr. Shah further said that Maharashtra is capital
MORE ON P8
